गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

दैनिक

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

● वर्ष: 27 ● अंक: 54 ● गाजियाबाद, शनिवार 24 मई, 2025 ● सम्पादक-अशोक कौशिक ● मूल्य : 1 रूपया

दिल्ली में मिले 23 कोरोना संक्रमित

सरकार ने जारी की एडवाइजरी, अस्पतालों को दिए निर्देश, गाजियाबाद में तीन एनसीआर में नौ मरीज

नई दिल्ली। एक बार फिर से कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसको लेकर सभी अस्पतालों को बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर सहित दूसरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने एडवाइजरी जारी कर दी है। इसमें अस्पताल परिसर में मास्क पहनने का परामर्श दिया गया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने शुक्रवार को स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। दिल्ली में गुरुवार तक कोविड के 23 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। सरकार कोविड के वर्तमान पुष्ट मामलों के सत्यापन की प्रक्रिया में जुटी है। यह पता लगाया जा रहा है कि यह मरीज दिल्ली के हैं या बाहर से यात्रा कर आए हैं। बता दें कि एनसीआर में अब तक नौ संक्रमितों की जानकारी सामने आ चुकी है। इसमें गाजियाबाद में चार, गुरुग्राम में तीन और फरीदाबाद में दो संक्रमित हैं।

अस्पतालों को किया अलर्ट

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दिल्ली के सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों, डॉक्टरों और उनकी टीम के साथ समन्वय किया है। अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाओं को अलर्ट पर रखा गया है।

लोग स्वास्थ्य और सुरक्षा दिशा-निदेर्शों का करें पालन

स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए है। लोगों को समय-समय पर सूचना देते रहेंगे। लोगों से अपील है कि वह सभी स्वास्थ्य और सुरक्षा दिशा निदेर्शों का पालन और अधिकारियों का सहयोग करें। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 की तैयारियों के संबंध में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को एक एडवाइजरी जारी की है।

एनसीआर में मिले अब तक नौ संक्रमित

दिल्ली से सटे गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में कोरोना के नौ मरीज मिले चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम में तीन और फरीदाबाद में दो और गाजियाबाद में चार नए कोरोना के मरीजों की पुष्टि हुई है।

स्वास्थ्यकर्मियों को दोबारा से करें प्रशिक्षित

एडवाइजरी के अनुसार स्वास्थ्यकर्मियों को दोबारा से कोविड-19 से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, अन्य दवाओं और वैक्सीन की उपलब्धता को सुनिश्चित करें। अस्पताल में वेंटिलेटर, बाई-पैप, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, पीएसए आदि सभी उपकरण कार्यात्मक स्थिति में हो।

मामलों को रोजाना करना होगा रिपोर्ट

अस्पतालों को सभी स्वास्थ्य सुविधाओं (ओपीडी/आईपीडी) में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों को रोजाना आधार पर रिपोर्ट करना होगा। एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म पोर्टल पर अपडेट करेंगे। इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 मामलों को भी अस्पताल एल फॉर्म के तहत आईएचआईपी पर रिपोर्ट करेंगे। दिल्ली राज्य स्वास्थ्य डेटा प्रबंधन पोर्टल पर रोजाना ब्योरा देना होगा।

कोविड-19 की करनी होगी पर्याप्त जांच

एडवाइजरी के मुताबिक कोविड-19 के दिशा-निदेर्शों के अनुसार पर्याप्त जांच करनी होगी। कम से कम पांच फीसदी आईएलआई (इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी) के मामलों और सौ फीसदी जांच एसएआरआई (तीव्र श्वसन संक्रमण) के मामलों में जांच करनी होगी। लोकनायक अस्पताल में सभी पॉजिटिव कोविड-19 के सैंपल को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा जाएगा जिससे नए वेरिएंट के बारे में पता लगाया जा सकें।

पहनना होगा मास्क

एडवाइजरी में अस्पताल परिसर/स्वास्थ्य सुविधाओं में मास्क पहनने सहित श्वसन शिष्टाचार का पालन करने के निर्देश दिए हैं। वहीं कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर विशेषेज्ञों का कहना है कि कोविड के संबंध में चिंता करने और घबराने वाली कोई बात नहीं है। यह सामान्य सर्दी-जुकाम की तरह हो चुका है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मेडिसिन विभाग में निदेशक और प्रोफेसर डॉ. सुभाष गिरी ने कहा कि खांसते और छींकते समय मुंह को ढककर रखें। हाथ समय-समय पर धोते रहे।

लोगों को सतर्क रहने की जरूरत

मामले बढ़ रहे हैं तो सतर्क रहने की जरूरत है। कोविड-19 वायरस में म्यूटेशन होते रहते हैं। हमारी कम्युनिटी में इम्युनिटी ज्यादा है। कोविड को लेकर यह उतार-चढ़ाव चलता रहेगा। इसमें डरने वाली कोई बात नहीं है। जिस वेरिएंट जेएन.1 की वजह से संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं वह डेढ़ साल पुराना है।

मुख्यमंत्री योगी ने हनुमानगढ़ी और श्रीरामलला के दरबार में टेका मत्था

सीएम योगी ने की देश व प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। सीएम योगी का रामकथा पार्क स्थित हैलीपेड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। वहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां पहुंचकर उन्होंने हनुमानजी की आरती उतारी और दर्शन पूजन किया। उसके बाद आयोजित 'श्री हनुमत कथा मण्डपम' के लोकार्पण समारोह में पहुंचे। यहां से वह श्रीरामलला के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे और भगवान श्रीराम से देश और प्रदेशवासियों के कल्याण व सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री जी इससे पहले 10 मई को अयोध्या पहुंचकर प्राचीन संत रविदास मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य और नवनिर्मित सत्संग भवन का लोकार्पण करने पहुंचे था। बता दें कि मुख्यमंत्री जी का मई माह में यह दूसरी बार अयोध्या दौरा है।

रामलला के चरणों में भी लगाई गई हाजिरी

हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के दर्शन-पूजन किए। वहीं मंदिर परिसर में राम मंदिर से जुड़े ट्रस्ट के सदस्यों से व्यवस्था की जानकारी ली। सीएम योगी ने रामलला के मंदिर में साष्टांग दंडवत होकर प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की। राम मंदिर में दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिसर में ही ट्रस्ट के सदस्यों के साथ एक संक्षिप्त बैठक की। सीएम ने मंदिर के निर्माण कार्य के प्रगति और परकोटा निर्माण की जानकारी ली। मंदिर में स्थापित किये जा रहे देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बारे में भी जानकारी की। सीएम ने राम मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य को जल्दी पूरा करने के लिए भी कहा है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार का पूरा सहयोग दिलाने का आश्वासन दिया है।

मतदाताओं के हित में चुनाव आयोग ने लिया बड़ा फैसला, अब हर बूथ पर मिलेगी मोबाइल जमा करने की सुविधा

नई दिल्ली। मतदान के दिन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने व मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने शुक्रवार को दो अहम फैसले लिए है। पहला मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर अब मोबाइल फोन रखने की सुविधा मिलेगी। मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए जुटाई जाने वाली दूसरी सुविधाओं की तरह अब एक मोबाइल जमा केंद्र भी खोला जाएगा। जहां मतदाता आसानी से और सुरक्षित तरीके से अपने मोबाइल फोन को रख सकेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग ने यह फैसला तब लिया है, जब मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होती है। ऐसे में मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को भारी असुविधा का सामना करना होता है। इसकी गंभीरता को इससे भी समझा जा सकता है कि मौजूदा समय में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों के पास मोबाइल फोन हो गए है।

मतदान केंद्र पर जमा कर पाएंगे मोबाइल फोन

इनमें बुजुर्ग मतदाताओं के साथ बुजुर्ग महिलाएं और दिव्यांगजन भी शामिल है, जो मतदान के लिए अपने मोबाइल फोन को साथ में लेकर आते है लेकिन जब वहां मोबाइल फोन रखने की सुविधा नहीं मिलती है, तो उन्हें परेशान होना पड़ता है। स्थिति यह हो गई है कि मतदाता अब मोबाइल फोन रखने की दिक्कतों के चलते मतदान के लिए आने से भी हिचकने लगे है। चुनाव कर्मियों से मिले फीडबैक के बाद आयोग ने इस दिशा में पहल की है। हालांकि निर्वाचन अधिकारी विशेष मामलों में या स्थानीय स्थितियों को देखते हुए मोबाइल फोन ले जाने पर लगे प्रतिबंध से छूट भी दे सकता है। आयोग की नई व्यवस्था के तहत मतदान केंद्र के सौ मीटर के भीतर अब स्विच ऑफ मोड में मोबाइल फोन लाने की अनुमति होगी।

मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के पास ही बहुत साधारण डिब्बे या फिर जूट के बैग उपलब्ध कराए जाएंगे, जहां मतदाता मोबाइल को जमा कर सकेंगे। आयोग ने दूसरा जो फैसला लिया है, उसमें अब मतदान केंद्र के सौ मीटर के दायरे के बाहर उम्मीदवार अपने प्रचार बूथ स्थापित कर सकेंगे। साथ ही कोई भी मतदाता अपनी मतदान पर्ची को लाने से भूल गया है तो वह उसे औपचारिक मतदान पर्ची भी मुहैया करा सकेंगे। बैठक में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी मौजूद थे।

तीन दिन की तलाश के बाद मिले गंगा में डूबे दो युवकों के शव

मेरठ। मध्य गंगनहर में डूबे मेरठ निवासी दो युवकों के शव शुक्रवार को बरामद हो गए। सुहेल का शव मवाना में नहर पुल के पास और फरमान का शव परीक्षितगढ़ क्षेत्र में गांव पुठ्ठी के पास नहर से मिला। परिजन दोनों के शवों को बिना किसी कार्रवाई के ले गए। बुधवार को तहसील मैदान में आजाद समाज पार्टी के सद्भावना सम्मेलन में मेरठ के सदर बाजार थानाक्षेत्र के मोहल्ला मोरगंज भूसा मंडी निवासी सुहेल व फरमान अपने साथी साजिद, इब्राहीम व सोफियान के साथ आए थे। पांचों शाम के समय हस्तिनापुर रोड स्थित मध्य गंग नहर में नहाने के लिए चले गए थे। नहाते समय पांचों डूबने लगे। साजिद, इब्राहिम व सोफियान को बचा लिया गया था, जबकि सुहेल व फरमान पानी के तेज बहाव में बह गए थे। सूचना पर पुलिस व परिजन भी पहुंच गए थे। गोताखोरों से तलाश कराई गई थी, लेकिन बुधवार देर शाम आंधी तूफान के चलते सर्च अभियान बंद करना पड़ा था।

बूंद-बूंद सहेजने की तैयारी में योगी सरकार

खेत तालाब, अमृत सरोवर, गंगा तालाब योजना और लुप्त प्राय नदियों का पुरुद्धार बनेगा जरिया

लखनऊ। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पूवार्नुमान के अनुसार, इस साल मानसून अच्छा (औसत से अधिक रहेगा)। केरल और पश्चिमी बंगाल में हो रही मानसून की सक्रियता से यह भी पूवार्नुमान है कि इस बार यह समय से पहले या समय से आकर पूरे देश को तर करेगा। उल्लेखनीय है कि जुलाई से लेकर सितंबर तक के मानसून के सीजन में कुल बारिश के औसत का 70 से 80 फीसद प्राप्त होता है।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष रहे प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह के अनुसार, बारिश लिहाज से भारत इंद्र देव से मिलने वाले इस प्रसाद के लिहाज से दुनियां के कई देशों से संपन्न है। यहां चार महीने के दौरान करीब 870 मिलीमीटर बारिश होती है। उत्तर प्रदेश खासकर तराई के एक बड़े इलाके में तो इससे भी अधिक। मसलन अपने देश में पानी की नहीं इसके प्रबंधन की कमी है। हाल ही में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पूरी ने भी इस बात को स्वीकार किया। उनके मुताबिक भारत में जल संकट जल संसाधनों की कमी के नहीं उपलब्ध पानी के कुप्रबंधन के कारण है। डबल इंजन की सरकार (मोदी और योगी) का फोकस इसीलिए बारिश के हर बूंद को सहेजने का है। 2019 अटल भूजल योजना के तहत 'कैच द रेन' का कार्यक्रम इसके लिए ही चलाया गया था। फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निजी रुचि के कारण उत्तर प्रदेश जल संरक्षण के मामले में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। खेत तालाब, अमृत सरोवर, लुप्त प्राय हो रही नदियों का पुरुद्धार, नदियों के किनारे बहुउद्देशीय तालाब खासकर गंगा नदी के किनारों पर और केन बेतवा लिंक जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं इसका जरिया बन रही हैं। सरकार ने हाल ही में शहरों में बनने वाले आवासीय इकाइयों के लिए जल संरक्षण अनिवार्य कर दिया है। योगी सरकार शहरी स्थानीय निकायों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहती है कि सभी भवन निर्माण अनुमतियों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं शामिल हों। बता दें कि तृतीय राष्ट्रीय जल पुरस्कार में उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। इसी क्रम में खेत तालाब योजना की सफलता को देखते हुए योगी सरकार ने इस योजना के तहत 8500 तालाब के निर्माण का लक्ष्य रखा है। सरकार को उम्मीद है कि इससे अधिकतम समय तक पानी की उपलब्धता के नाते कुल उत्पादन में लगभग 12 फीसद से अधिक की वृद्धि होगी। विशेषकर धान और मक्का के क्षेत्रफल और उपज में। इसी मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 2023 में अमृत सरोवर योजना शुरू गई थी। योगी सरकार ने इस योजना के तहत हर जिले में 75 तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा था।

यूपीएससी सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

यूपीएससी आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें : अपर जिलाधिकारी रणविजय सिंह

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। यूपीएससी सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025, 25 मई 2025 को देश भर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने वाली है। यूपीएससी ने इस परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड और कुछ दिशानिर्देश भी जारी कर दिए हैं जिनका सख्ती से पालन करना होगा। जिसके सम्बंध में जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम सभागार, जीजीआईसी विजयनगर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया कि जिला गाजियाबाद में इस परीक्षा हेतु 51 सेन्टर है, जिनमें परीक्षा के दौरान निगरानी हेतु 3 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, 07 जोनल मजिस्ट्रेट,

18 सैक्टर मजिस्ट्रेट, 51 एलआईओ सहित सुरक्षा की दृष्टि से महिला/पुरूष पुलिस कर्मी रहेंगें, इसके साथ ही सुरक्षा हेतु अन्य पुलिस अधिकारी भी रहेंगे। बताया कि परीक्षा दो पालियों में होगी जो कि दो-दो घण्टों की होंगी, प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 09:30 से 11:30 व द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:30 बजे से 04:30 बजे तक होगी। बताया कि यूपीएससी आयोग की गाईड लाईन के अनुसार ही सभी कार्य होंगे। परीक्षार्थियों को परीक्षा के दौरान मूलभूत एवं मौसम अनुकुल सुविधाऐं जैसे पंखे, पीने का पानी, प्रकाश आदि की पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। परीक्षार्थियों को नियमानुसार क्रमवार ही बैठायें। परीक्षा केन्द्र के अन्दर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे

मोबाइल, स्मार्ट वॉच सहित अन्य ले जाना प्रतिबंधित है। प्रशिक्षण दे रहे अधिकारियों ने मीडिया के माध्यम से परीक्षार्थियों को सूचित किया कि परीक्षा के समय से आधा घण्टा पूर्व ही परीक्षा केन्द्र पर पहुंच जाएं, प्रथम पाली में 09:00 बजे व द्वितीय पाली में 02:00 बजे के उपरान्त परीक्षा केन्द्र में प्रवेश बंद कर दिया जायेगा, इसलिए समय से पहुंचे। एडमिट कार्ड के साथ अपनी एक फोटो आईडी (ऑरिजनल) जरूर लायें। अपने साथ कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ना लाऐं, आदेशानुसार सेंटरों पर कोई भी क्लॉक रूम की व्यवस्था नहीं है। प्रशिक्षण के दौरान एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र, एसीपी सूर्यबली मौर्य सहित अन्य गणमान्य ने प्रशिक्षण दिया।

कोरी समाज के सम्मेलन का आयोजन 25 को, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य होंगे मुख्य अतिथि

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। कोरी समाज द्वारा 25 मई रविवार को दोपहर 1 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, नेहरू नगर, गाजियाबाद में एक भव्य कोरी समाज सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के आयोजन को लेकर आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें शुक्रवार को समाज के गणमान्य पदाधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कोरी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट लेखराज माहौर ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य प्रशासन द्वारा कोरी/कोली/जुलाहा समाज के जाति प्रमाण पत्र न बनाये जाने की मांग को प्रमुखता से उठाना है। इसके अतिरिक्त समाज के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों को लेकर भी चर्चा की जाएगी। प्रेस वार्ता में उपस्थित भाजपा

के प्रदेश संयोजक अजय शर्मा ने कहा कि समाज को संगठित होकर अपनी बात सरकार तक पहुँचानी चाहिए, यह सम्मेलन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, विशिष्ठ अतिथि के रूप में सुनील शर्मा, कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, समाज कल्याण मंत्री नरेन्द्र कश्यप जी पिछडा वर्ग कल्याण मंत्री एवं समाज के सम्मानित जनप्रतिनिधियों में सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल सिंह, मंजू सिवाच, नन्द किशोर गुर्जर। भाजपा जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, प्रदेश संयोजक अजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी सम्मेलन में रहेगी। प्रेस वार्ता के दौरान आयोजक मंडल के अध्यक्ष लेखराज माहौर एडवोकेट, उपाध्यक्ष चम्पा माहौर, कृपाल सिंह पूर्व (एजीएम), किशन सिंह माहौर व सुरेश कोरी, महामंत्री धनपाल सिंह कोरी व कोषाध्यक्ष लेखराज तंतवार (पूर्व डीजीएम) व मंत्री राकेश कोरी, विजय माहौर, मीडिया समन्वयक प्रदीप चौधरी आदि मौजूद रहे।

आईएमएस कोचिंग आरडीसी के क्षितिज गोयल का आईआईएम लखनऊ और जतिन भसीन का आईआईएम इंदौर में हुआ चयन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारत की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक है कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) जिसके माध्यम से भारत के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट संस्थान जैसे आईआईएम, आईएमटी, एफएमएस दिल्ली आदि अपने यहां एमबीए में एडमिशन देते हैं। इस परीक्षा में राजनगर आरडीसी स्थित आईएमएस कोचिंग के अभी तक दर्जनो छात्रों ने कैट 2025 में अच्छा परसेंटाइल लाकर इन्ही प्रतिष्ठित संस्थानों में अपना चयन सुनिश्चित किया है जिसमे कल घोषित हुए परिणामों में आईएमएस कोचिंग आरडीसी के क्षितिज गोयल का चयन आईआईएम लखनऊ में व जतिन भसीन का चयन आईआईएम इंदौर, आईआईएम मुंबई एवं आईआईएफटी दिल्ली में हो गया है। सफलता की इस कड़ी में अब तक आरडीसी स्थित आईएमएस कोचिंग में गाजियाबाद के नंदेश सिंघल को आईआईएम (शिलांग,

नागपुर, उदयपुर), अनुष्का चौधरी को आईआईएम (रायपुर, रोहतक) एवं आईएमटी गाजियाबाद, कृतिका सिंघल को आईएमटी गाजियाबाद, सक्षम गोयल को आईआईएम (शिलांग, उदयपुर), तरंग अग्रवाल को आईआईएम रायपुर एवं अन्य कई छात्रों को अब तक आईआईएम एवं अन्य प्रतिष्ठित मैनेजमेंट संस्थानों में एडमिशन मिल चुका है। आईआईएम कोलकाता एलुमनाई राहुल गोयल ने बताया कि आईआईएम व उसके जैसे संस्थानों में एडमिशन मिलना गर्व की बात होती है एवं यह पहले ही करीब करीब तय हो जाता है कि इस बच्चे को वहा से शिक्षा पूरी करने के बाद एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कितने लाख का पैकेज मिलेगा। इन छात्रों ने कठोर परिश्रम कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है. राहुल गोयल ने बताया कि अभी भी दर्जनो छात्र अपने परिणाम का इंतजार कर रहे है जिनका नाम अभी आईआईएम एवं ऐसे संस्थानों में वेट लिस्ट में है और जल्द ही इन छात्रों को भी सुखद परिणाम मिलेंगे।

'परशुराम प्रेरणा समारोह 2025' में विद्यार्थियों की प्रतिभा ने बटोरी सराहना

राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक एवं पूर्व मंत्री सुनील भराला ने विजेता छात्रों को किया सम्मानित

हिन्द आत्मा संवाददाता

मेरठ। मेरठ के बीडीएस इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय परशुराम प्रेरणा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भगवान परशुराम जी की शिक्षाओं और आदर्शों से प्रेरणा लेकर युवाओं में संस्कृति, संस्कार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। जैसे ही मुख्य अतिथि, पूर्व राज्य मंत्री एवं राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक पं. सुनील भराला मंच पर पहुंचे, सभागार 'जय परशुराम' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। अपने प्रेरणादायक संबोधन में पं. सुनील भराला ने भगवान परशुराम को विष्णु का छठा अवतार बताते हुए उनके जीवन की महान शिक्षाओं को साझा किया।

उन्होंने कहा कि परशुराम जी की शक्ति और तपस्या आज की युवा पीढ़ी को अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देती है। उन्होंने सप्तऋषि,

चन्द्राग्नि व माता रेणुका के पुत्र परशुराम जी के विभिन्न आयामों को छात्रों के सामने रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। इस विशेष अवसर पर आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला, लेखन क्षमता और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में गार्गी गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालेराम बृज भूषण स्कूल ने द्वितीय स्थान और मल्लू सिंह कन्या इंटर कॉलेज ने तृतीय स्थान हासिल किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दी ऐवेन्यू पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान, आई.आई.एम.टी. एकेडमी ने द्वितीय स्थान और बी.एन.जी. इंटरनेशनल स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में पुलिस मॉडर्न स्कूल को प्रथम स्थान मिला, बीडीएस नेशनल इंटर स्कूल को द्वितीय स्थान और आई.आई.एम.टी. एकेडमी को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में भी पुलिस मॉडर्न स्कूल ने उत्कृष्टता दिखाई और

प्रथम स्थान प्राप्त किया। मल्लू सिंह कन्या इंटर कॉलेज ने द्वितीय स्थान तथा दी ऐवेन्यू पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले अमित नागर ने यह आश्वासन दिया कि भविष्य में इस आयोजन को और भी प्रभावशाली एवं विस्तृत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और विद्यालयों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में आए सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं और प्रधानाचार्यों को भी विशेष सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय के चेयरमैन धर्मेन्द्र शर्मा ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। उन्होंने विशेष रूप से पं. सुनील भराला का समय देने और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आभार जताया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार में रेरा प्रशिक्षण का दूसरा दिन सम्पन्न

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार कक्ष में संचालित रेरा, रियल एस्टेट (रेगुलेशन एण्ड डेवलपमेंन्ट) एक्ट-2016 (RERA) से सम्बन्धित प्रशिक्षण के दूसरे दिन शुक्रवार को राजेश मेहतानी द्वारा एक्ट के प्राविधानों के तहत OC/CC (Occupation Certificate/Complication Certificate) के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से समझाया गया, कि टारगेट पूर्ण न होने की दशा में तीन माह के बाद भी QPR (Quaterly Project Report) को बढाया जा सकता है तथा टारगेट को अपडेट किया जा सकता है।

इसके साथ ही सुपर एरिया, कॉमन एरिया एवं कारपेट एरिया के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान देते हुये प्रशिक्षण में कॉमन एरिया एवं कारपेट एरिया के अंतर को बताया गया। कॉमन एरिया जिसमें किसी अपार्टमेंट की वाह्य दिवारों द्वारा आवंटित क्षेत्र, सर्विस सॉफ्ट के अधीन के क्षेत्रों, अन्य बालकनी या बरामदें के क्षेत्रों खुले टैरेस आदि का क्षेत्र आता है एवं कारपेट एरिया के किसी भी फ्लैट की आंतरिक दिवारों के माध्यम से तैयार क्षेत्र आता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि फ्लैट मालिक का हक उनके फ्लैट के अन्दर के हिस्से से है। कॉमन एरिया में फ्लैट मालिक का समानुपातिक हिस्सा होते हुये भी कॉमन एरिया में किसी प्रकार का निर्माण अनुमन्य नही होगा। कॉमन एरिया पर अपार्टमेंट के लिये चयनित ए०ओ०ए० का होगा, जिस पर ए०ओ०ए० द्वारा आवश्यकतानुसार फ्लैट मालिकों के हितों का ध्यान रखतें हुये कॉमन एरिया का उपयोग किया जा सकेगा एवं रेरा एक्ट में सुपर एरिया का प्रावधान नही है और ना ही मान्य है। आज के प्रशिक्षण के समय प्राधिकरण के मुख्य अभियन्ता, समस्त अधिशासी अभियन्तागण, विशेषकार्याधिकारी, सहायक अभियन्तागण, अवर अभियन्तागण, विधि अधिकारी के साथ समस्त लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी भी उक्त प्रशिक्षण में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। उक्त कार्यशाला 24 मई को भी नियत स्थान व समय पर आयोजित की जायेगी।

अरनव बुगा की पारी से एलबी शास्त्री क्लब फाइनल में

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। शुक्रवार को बाडीकेयर कप नवम संदीप सूरी स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट के द्वितीय सेमीफाइनल मुकाबले मे एलबी शास्त्री क्लब दिल्ली ने मध्यम क्रम बल्लेबाज अरनव बुगा की धैर्यपूर्ण पारी 66 रन ,78 गेद(7 चौक्के, 1 छक्का) से नोएडा वंडर्स को 2 विकेट से पराजित कर फाइनल मे प्रवेश कर लिया। टास जीत कर एलबी शास्त्री ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया पहले बल्लेबाजी करने उतरी नोएडा वंडरस की टीम के खिलाड़ी निरन्तर आउट होते रहे तथा 39 ओवर मे मात्र 200 रन पर सभी आउट होकर पवलेयिन लौट आए, ओपनर बल्लेबाज ईनेश ने 72 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया, लक्ष्य 200 रन का पीछा करते हुए एलबी शास्त्री क्लब के 8 बल्लेबाज 182 पर आउट हो गए परन्तु अरनव बुगा ने शानदार 66 रन व जिया उल

हक ने अविजित 25 रन की उल्लेखनीय पारी खेल कर टीम को फाइनल मे पंहुचा दिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अरनव बुगा को रविन्द्र त्यागी द्वारा प्रदान किया गया। इसके साथ ही सेमीफाइनल मे पराजित नोएडा वंडरस के सभी खिलाडीयो को 1-1 बैग व किट देकर राजीव वर्मा व जितेन्द्र ने सम्मानित किया। संचालन पूर्व रणजी खिलाडी विश्व जीत सिंह ने किया।

प्रमुख स्कोरः नोएडा वंडर्स : 200 रन सभी आउट 39 ओवर मे ईनेश 72 रन (8 चौक्के, 1 छक्का) आरूष 30 रन (1 चौक्का, 2 छक्के) मनीष शर्मा, यथार्थ सिंह व सूरज वशिष्ठ ने 2-2 विकेट लिए। एल बी शास्त्री क्लबः 203 रन 8 विकेट पर 39-2 ओवर मे अरनव बुगा 66 रन (7 चौक्के,1 छक्का) जिया उल हक 25 अविजित (3 चौक्के) दक्ष चंदेल व संजीव ने 2-2 विकेट लिए। फाइनल मैच कृत्रिम प्रकाश मे दिनांक 25 मई को अपराह्न 2 बजे से रंगीन किट व सफेद गेंद से दिवस रात्रि काल में खेला जाएगा।

'वोकल फॉर लोकल-स्वदेशी का सम्मान, विदेशी का बहिष्कार' विषयक सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान (रजि.) के तत्वावधान में शुक्रवार को जानकी सभागार, रामलीला मैदान, कविनगर, गाजियाबाद में 'वोकल फॉर लोकलझ्स्वदेशी का सम्मान, विदेशी का बहिष्कार' अभियान के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री सच्चिदानंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुनील सिंघी (अध्यक्ष, व्यापारी कल्याण बोर्ड, भारत सरकार) ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि स्वदेशी को अपनाना केवल व्यापारिक निर्णय नहीं, यह राष्ट्र सेवा का एक माध्यम है। आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापारी वर्ग की भूमिका निर्णायक है। व्यापारी सुरक्षा फोरम का यह प्रयास प्रेरणादायक है और पूरे देश में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है। अति विशिष्ट अतिथि अनिल अग्रवाल (पूर्व सांसद, राज्यसभा) ने कहा कि व्यापारी समाज ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। जब देश पर संकट आता है, तब व्यापारी वर्ग सबसे पहले आगे आता है। स्वदेशी आंदोलन अब जन-आंदोलन बन रहा है और इसकी अगुवाई व्यापारी कर रहे हैं।

तिरंगा सैल्यूट से राजेश झा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी सरकार हर कदम पर स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों से समाज को नई दिशा मिलती है। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि स्वदेशी न केवल आर्थिक मजबूती लाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। हमें गर्व है कि व्यापारी समाज आज इस दिशा में अग्रसर है। व्यापारी नेता संदीप सिंघल ने कहा कि स्वदेशी को आत्मसात करना अब विकल्प नहीं, हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है। इस अभियान में व्यापारी वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मयंक गोयल (अध्यक्ष, भाजपा महानगर, गाजियाबाद) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'वोकल फॉर लोकल' संदेश आज घर-घर में गूंज रहा है। हमें गर्व है कि गाजियाबाद के व्यापारी इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक और व्यापारी सुरक्षा फोरम के राष्ट्रीय संयोजक अशोक गोयल ने अपने भावुक उद्बोधन में कहा कि जब कुछ राष्ट्र आतंक का समर्थन करते हैं, तब हमारे स्वदेशी अस्त्र ही भारत की ताकत बनते हैं। अब समय आ गया है कि हम विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी का व्रत लें। व्यापारी समाज इस यज्ञ में आहुति देने को तैयार है। कार्यक्रम में सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया और 'स्वदेशी संकल्प' की शपथ ली। सभी प्रमुख व्यापारी संगठनों की गरिमामयी उपस्थिति इस कार्यक्रम को एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान कर गई। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप चौधरी ने इस आयोजन का समर्थन करते हुए कहा कि व्यापारी सुरक्षा फोरम द्वारा गाजियाबाद से उठाई गई यह स्वदेशी ज्योति अब राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप ले रही है। हम पूर्ण रूप से इस संकल्प के साथ हैं और देशभर के व्यापारियों से आह्वान करते हैं कि वे इस मुहिम से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान पूर्व महापौर आशा शर्मा, ललित जायसवाल, बलदेवराज शर्मा, सरदार एसपी सिंह, महेश आहूजा, राजेश झा, मंगल सिंह चौधरी, अरुण शर्मा, संजीव गुप्ता, अमर दत्त शर्मा, प्रदीप चौधरी, संदीप सिंघल, गुलशन भांबरी, प्रदीप गुप्ता, मोहन सिंह रावत, अशोक भारतीय, प्रवीण भाटी, सौरभ यादव, आशु पंडित, संदीप त्यागी रसम, पार्षद अजीत निगम, नीरज गोयल, मनोज गोयल, सुभाष गुप्ता, आरके गोयल, राजेश गुप्ता, राकेश सैन, प्रिया बिष्ट सहित गाजियाबाद के व्यापार मंडल, प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन व शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के संयुक्त आवाह्न पर प्रेरणा अचीवर्स अवार्ड 2025 का आयोजन

एनसीआर क्षेत्र के 81 स्कूलों के 405 टॉपर्स हुए सम्मानित: पायलट राकेश त्यागी

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन व शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के संयुक्त आवाह्न पर प्रेरणा अचीवर्स अवार्ड 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन पायलट राकेश त्यागी ने बताया कि उक्त आयोजन में एनसीआर क्षेत्र के 81 स्कूलों के 405 टॉपर्स को सम्मानित किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि अरुण सिंह, एमपी राज्यसभा, राष्ट्रीय महासचिव भारतीय जनता पार्टी, गेस्ट ऑफ ऑनर ओम प्रकाश प्रदेश प्रमुख विभाग व प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश, सत्येंद्र सिसोदिया क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम क्षेत्र उत्तर प्रदेश व अशोक श्रीवास्तव चीफ एंकर व एडिटर डीडी न्यूज, विशिष्ट तिथि मयंक गोयल, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा विधायक व कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोफेसर संजय दत्त कौशिक चेयरमैन एलआर पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज रहे। अरुण सिंह ने बताया कि जिन बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है निकट भविष्य में इनकी महती भूमिका होगी क्योंकि आने वाले युग में विज्ञान का महत्व व अन्य सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता बहुत महत्वपूर्ण होने जा रही है। उन्होंने कहा कि आयोजकों ने सभी विद्यालयों को प्राथमिकता देते हुए उनके पांच-पांच टॉपर्स को सम्मानित कर बहुत ही प्रशंसानीय कार्य किया है। मैं सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं करता हूँ क ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को इस भव्य आयोजन के साक्षी बनने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान पिछले अनेक वर्षों से इस तरह के आयोजन वर्ष में अनेक बार करता रहता है। विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी लोगों को प्रोत्साहित कर समाज का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के संचालक, प्रधानाचार्य, शिक्षक व सम्मानित होने वाले छात्रों के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की भव्यता को विद्यालय के बच्चों ने कार्यक्रम की शुरूआत में ही एक भव्य शानदार कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर ऊर्जा प्रदान की। आयोजन में राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान कार्यकारिणी के अलावा डीएलएफ पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ. मृगनैनी के मार्गदर्शन में समस्त स्टाफ ने अतिथियों की आवभगत व स्वागत किया। अंत में डीएलएफ पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या सीमा जयरथ ने सभी उपस्थित लोगों का आभार जताया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में पुनीत लोधी, रामेश्वर निर्माण, वी एम त्यागी, सुरेश सैनी, नीरज शर्मा, योगेंद्र सिंह, देवेंद्र यादव ललित त्यागी, मीनाक्षी पादी, राजीव त्यागी आदि शिक्षा जगत के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन अपनी ओजस्वी वाणी में अर्चित त्यागी द्वारा किया गया।

लोक भारती स्वामी विवेकानंद विचार मंच एवं वन विभाग द्वारा मनाया गया विश्व कछुआ दिवस

मां गंगा का सुरक्षा प्रहरी है कछुआ: भारत भूषण गर्ग पर्यावरणविद्

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। गढ़मुक्तेश्वर स्थित गंगा नेचुरल फॉर्म पर लोक भारती स्वामी विवेकानंद विचार मंच एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित कर विश्व कछुआ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित हुए पर्यावरण संरक्षक समाजसेवियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। गढ़ मुक्तेश्वर स्थित गंगा नेचुरल फॉर्म पर आयोजित विश्व कछुआ दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता में मां गंगा सेवक मूलचंद आर्य ने की। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में गढ़मुक्तेश्वर वन क्षेत्राधिकारी करण मौजूद रहे।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं मुख्य वक्ता भारत भूषण गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि आज गंगा मां की स्वच्छता का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसमें एक विशिष्ट स्थान कछुए का भी है वर्तमान में जागरूकता के चलते गंगा में कछुओं का अवैध शिकार एवं उनकी तस्करी काफी हद तक बंद हुई। क्षेत्र संयोजक ने प्रकाश डालते हुए बताया कि कछुआ अन्य जीवों के लिए बिल बनाने के अलावा मृत पशुओं एवं मृत मछलियों को खाकर गंगा की सफाई करने के कार्य में लगा रहता है। इसलिए हम यह भी कह सकते हैं की गंगा मां की सफाई की जिम्मेदारी कछुआ महत्वपूर्ण रूप से निभा रहा है।

उन्होंने बताया कि हमारा सामाजिक संगठन लगातार क्षेत्र में किसानों के बीच जाकर कछुए के ठिकानों को पहचानने का कार्य करते रहते हैं ताकि कछुए के अंडे सुरक्षित रह सके। पिछले वर्ष 279 कछुए के बच्चे हापुड़ जिलाधिकारी ने हाथों से गंगा में छुड़वाये गये थे जो इसी क्षेत्र से मिले अंडों से प्राप्त हुए थे। इसके अलावा अभी हाल ही में 350 से अधिक अंडों का संग्रहण कर हहऋ इंडिया की हस्तिनापुर यूनिट को सौप चुकी है इस कार्य में स्थानीय प्रशासन एवं वन विभाग का सहयोग लगातार हमें प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि वन क्षेत्राधिकार करण सिंह ने भी अपने विचारों के दौरान कछुओं के संरक्षण की बात कही। कार्यक्रम के अंत में गंगा सेवक मूलचंद आर्य सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मीनाक्षी भूषण, विनोद कुमार लोधी, यथार्थ भूषण, प्रदीप कुमार, गिरीश कुमार चौहान, नारायण सिंह लोधी, डिप्टी रेंजर जोगपाल सिंह, शुभम चौहान, गौरव कुमार आदि उपस्थित रहे।

जीडीए का बड़ा एक्शन मोदीनगर क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निदेशों के क्रम में शुक्रवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में मलकीत सिंह पुत्र सुच्चा सिंह, ब्रजेश शर्मा पुत्र ब्रह्मदत्त शर्मा व अरूण तोमर, ग्राम अबूपुर मोदीनगर के द्वारा खसरा संख्या-224, के लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में सतीश शर्मा, केशव शर्मा व श्रीमती बबीता, ग्राम-काजमपुर मोदीनगर के खसरा सं०-99/1 के 10 बीघा क्षेत्रफल में एवं अजय कुमार, ओमवीर शर्मा व अमित गुप्ता, ग्राम-सीकरी कला, मोदीनगर गाजियाबाद के खसरा संख्या-423 व 472 पर लगभग 15 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से कालोनी विकसित करने के लिये सड़कों के निर्माण हेतु मिट्टी भराई व चिनाई कर अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। उक्त अवैध कॉलोनी में कॉलोनाइजरो द्वारा बनाई गई सड़क बाउंड्रीबॉल, साईट ऑफिस आदि को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान कॉलोनाइजर/निर्माणकर्ताओं द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। मौके पर उपस्थित लोगो से यह अपील की गयी कि अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों का क्रय, विक्रय करने पर होने वाली धनहानि एवं धोखाधड़ी के लिए क्रेता स्वयं जिम्मेदार होगा। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण समस्त सुपरवाईजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल तथा प्राधिकरण पुलिस बल उपस्थित रहा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मैस्टाइटिस के नियंत्रण के संबंध में बैठक संपन्न

पशुपालकों को बीमारी के बारे में किया जाए जागरूक

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में मैस्टाइटिस के नियंत्रण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने दुधारू पशुओं में मैस्टाइटिस रोग के प्रभावी नियंत्रण हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि व्यापक प्रचार-प्रसार की कार्ययोजना तैयार कर बीमारी से रोकथाम के लिए निर्धारित एसओपी की जानकारी पशुपालकों तक पहुँचाई जाये। पशु आहार के मानक निर्धारण व गुणवत्ता आदि के संबंध में पशुपालन विभाग द्वारा नीति निर्धारित की जाये। न्होंने पशुपालकों को जागरूक करने पर बल देते हुए कहा कि मैस्टाइटिस के लक्षण दिखने पर पशुपालकों द्वारा तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क किया जाए। साथ ही, संक्रमित पशु को अन्य पशुओं से अलग रखने की सलाह दी जाए, ताकि बीमारी का प्रसार रोका जा सके।

उन्होंने प्रदेश में 04 विश्वविद्यालयों को मेस्टाइटिस, बांझपन, नस्ल सुधार एवं अन्य संक्रामक बीमारियों एवं परजीवी नियंत्रण हेतु विशेष कार्यक्रम संचालित करने एवं पशुपालन विभाग से समन्वय करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

इससे पूर्व, प्रमुख सचिव पशुधन के० रवींद्र नायक ने प्रदेश में मेस्टाइटिस रोग के संबंध में जानकारी दी कि विभाग द्वारा संचालित मोबाइल वेटनरी यूनिट्स एवं विभागीय पशु चिकित्सालयों द्वारा पशुपालकों को दी जाने वाली पशु चिकित्सकीय सुविधा के अनुसार मेस्टाइटिस रोग के केस लगभग 10 प्रतिशत हैं। विभाग द्वारा सबक्लिनिकल व क्लीनिकल मैस्टाइटिस रोग की जांच व निदान हेतु समय-समय पर सी०एम०टी० किट एवं अन्य आवश्यक औषधियों से उपचार किया जाता है।

जवाहर लाल मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज में चल रहे समर कैम्प में छात्राओं के लिए मूर्तिकला एवं आभूषण कार्यशाला का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। ऑर्डनेंस फैक्टरी परिसर स्थित जवाहर लाल मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज में चल रहे समर कैम्प में छात्राओं के लिए मूर्तिकला एवं आभूषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या रेनू तोमर ने बताया कि इस आयोजन का नेतृत्व कला शिक्षिका मंजू सिंह द्वारा किया गया। इन्के मार्गदर्शन में छात्राओं ने हड़प्पा सभ्यता की प्राचीन मूर्तिकला, मिट्टी के खिलौनों तथा छत्तीसगढ़ की बस्तर जनजातीय मूर्ति कला की शैली में आकृतियाँ तैयार कीं। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भारत की प्राचीन संस्कृति, लोक कलाओं एवं मूर्तिकला परंपरा से जोड़ना था। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इतिहास को अपनी उंगलियों से आकार दिया और अपने कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने मधुबनी चित्रकला से प्रेरित ईयररिंग्स (कानों के आभूषण) भी तैयार किए, जिसमें पारंपरिक डिजाइन और आधुनिक सौंदर्य का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। इन गतिविधियों ने छात्राओं की रचनात्मकता, सौंदर्यबोध और सांस्कृतिक समझ को एक नया आयाम दिया। प्रधानाचार्या ने बच्चों की कलात्मक अभिव्यक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में न केवल रचनात्मक आत्मविश्वास भरती हैं, बल्कि वे अपने सांस्कृतिक मूल्यों को भी गहराई से समझते हैं। बताया कि कार्यक्रम में बच्चों की सहभागिता और नवाचार देखने योग्य था, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि हमारी नई पीढ़ी कला एवं संस्कृति की विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने में तत्पर है।

लघु उद्योग भारती के नेतृत्व में उद्यमियों ने सीजीएसटी अधिकारियों से की वार्ता

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। गाजियाबाद हापुड़ रोड स्थित सीजी-एसटी कार्यालय अधिकारियों से लघु उद्योग भारती के नेतृत्व में उद्यमियों ने जीएसटी टैक्स को बारीकी से समझते हुए उससे मिलने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की। गुरुवार को लघु उद्योग भारती संगठन अध्यक्ष सतेंद्र गौतम के नेतृत्व में उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल गा०बाद सीजीएसटी अधिकारियों से मिला जहां उन्होंने जीएसटी टैक्स को लेकर व्यापार में आ रही परेशानियों एवं संकाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की वही जीएसटी से व्यापार में मिलने वाले लाभ के बारे में भी बारीकी से जानकारी प्राप्त की। गाजियाबाद सीजीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर राजू टंडन एवं सुपरिंटेंडेंट टेक्निकल मिलन त्यागी द्वारा व्यापारियों की समस्याओं एवं संकाओं के बारे में पूछे गए सवालों का बड़ी ही आसान तरीके से जवाब देकर उन्हें संतुष्ट किया। इस अवसर पर सीजीएसटी अधिकारियों व्यापारियों के बीच हुए संवाद पश्चात व्यापारी काफी संतुष्ट नजर आए।

एनटीपीसी दादरी के सीएसआर पहल से उत्तम संकुल स्तरीय समिति कार्यालय का बिसाहड़ा गांव में किया गया उद्घाटन

हिन्द आत्म संवाददाता

दादरी। गौतम बुद्ध नगर जनपद के बिसरक ब्लॉक अंतर्गत बिसाहड़ा गांव में उत्तम संकुल स्तरीय समिति के नव-निर्मित कार्यालय एवं उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन मनीष कुमार वर्मा (आईएएस), जिलाधिकारी (गौतमबुद्ध नगर) द्वारा किया गया। इस अवसर पर के. चंद्रमौलि, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख (एनटीपीसी दादरी) तथा विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य विकास अधिकारी (गौतमबुद्ध नगर), अजितेश सिंह, जिला परियोजना अधिकारी (एनआरएलएम), बीरेंद्र यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहित ब्लॉक की कई महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। यह उत्पादन एवं प्रशिक्षण केंद्र एनटीपीसी दादरी के सीएसआर फंड से प्राप्त ₹34.82 लाख की धनराशि से निर्मित किया गया है, जिसका कार्यान्वयन उत्तर प्रदेश जल निगम (सी एंड डीएस) द्वारा किया गया। यह केंद्र कौशल विकास, प्रशिक्षण, और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा, जिससे महिला नेतृत्व वाली स्वयं सहायता समूहों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठफ्छट) के तहत आजीविका आधारित पहलों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में के. चंद्रमौलि ने कहा कि राष्ट्र का वास्तविक विकास महिलाओं के सशक्तिकरण और समावेशी प्रगति में निहित है। इस दिशा में पहला कदम उनकी आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। यह केंद्र क्षेत्रीय महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

सांसद डॉ. राजकुमार सागवान ने किया बीमा हॉस्पिटल एवं रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। बागपत लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सागवान ने लगभग 10 करोड रुपए की लागत से बीमा हॉस्पिटल के जीणोद्धार कार्य का निरीक्षण करने के पश्चात रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक सहित रालोद जिला अध्यक्ष एवं पालिका चेयरमैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। शुक्रवार को सोंदा रोड स्थित बीमा हॉस्पिटल एवं मोदीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे बागपत लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक मंजू सिवाच एवं पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली सहित रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी मौजूद रहे। सांसद डॉ० राजकुमार सागवान ने अस्पताल अधिकारियों से बात कर उन्हें कुछ जरूरी निर्देश दिए वहीं अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनका स्वास्थ्य लाभ जानने के पश्चात उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मोदीनगर रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार कार्य का भी सांसद द्वारा निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन इंचार्ज से जनता को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बात की। इस दौरान उनके साथ मौजूद रहे मुख्य लोगों में पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, डॉ. पवन सिंगल, भाजपा नेता देवेंद्र चौधरी, पूर्व सभासद नवीन जायसवाल, सभासद राहुल गुर्जर, सुरेंद्र तेवतिया, उमेदपाल भामरिक, पूर्व सभासद संजीत नेहरा आदि अनेको लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

निर्णायक हमला

देश में नक्सली हिंसा लंबे समय से एक जटिल समस्या रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर मोचेबंदी की है और वह अब भी जारी है। मगर सच यह है कि अब भी इस समस्या और इसकी जड़ों से पार पाना एक चुनौती है। हालांकि नक्सली हिंसा का सामना करने के क्रम में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों को जैसी कामयाबी मिल रही है, उससे कहा जा सकता है कि सरकार इसे खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है और इसी मुताबिक जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती इलाकों में बुधवार को सुरक्षा बलों द्वारा सत्ताईस नक्सलियों को मार गिराने की खबर आई। खुफिया जानकारी के बाद घेरेबंदी कर की गई इस कार्रवाई में शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ वसवराजू को भी मार गिराया गया। इसके अलावा, गुरुवार को राज्य के सुकमा जिले में भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडों की मौत हो गई और मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया।

जाहिर है, देश भर में नक्सली हिंसा का सामना करने और इसे खत्म करने के लिए किए जाने वाले सरकारी दावों के लिहाज से ताजा कार्रवाई को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि पिछले कुछ वर्षों से नक्सल विरोधी अभियान में तेजी के साथ छिटपुट स्तर पर नक्सलियों को या तो मार गिराने या फिर उनका समर्पण कराने में सरकार को लगातार सफलता मिल रही थी। मगर इस बार के मुठभेड़ को सरकार ज्यादा अहम इसलिए मान रही है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तीन दशकों के दौरान यह पहली बार है जब सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष स्तर के किसी नेता को मारा है। ताजा अभियान के तहत हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में चौवन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और चौरासी ने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ इस वर्ष अब तक एक सौ अस्सी से ज्यादा माओवादी मारे गए और कई सौ ने आत्मसमर्पण भी किया। निश्चित तौर पर नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने, आत्मसमर्पण और उनकी गिरफ्तारी को प्रत्यक्ष नक्सली हिंसा को समाप्त करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा सकता है। मगर इस समस्या की जड़ें सामाजिक-आर्थिक कारणों में भी छिपी हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कार्रवाई के साथ-साथ उनके समाधान या उन्हें दूर करने के लिए भी एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है।

मसलन, नक्सली समूहों तक वित्तीय मदद और हथियार पहुंचने के रास्तों या माध्यमों को खत्म करने, नक्सल प्रभावित इलाकों में आम लोगों के बीच विश्वास पैदा करने, उन्हें बुनियादी और भूमि अधिकार देने, मुख्यधारा में लाने, ऋण माफ करने और गरीबी दूर करने के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वंचनाओं से मुक्ति दिलाने जैसे अन्य पहलुओं पर भी स्थायी हल तलाशने की मंशा के साथ काम करने की जरूरत है। नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में चलाए गए अभियानों के बाद अब ऐसी संभावना भी जताई जाने लगी है कि यह समस्या अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अगर कुछ बड़ी कामयाबियों के आधार पर भी इस समस्या की जड़ों पर चोट करने को लेकर शिथिलता बरती गई तो शायद यह इसकी जटिलता की अनदेखी साबित होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	**अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक	:	**राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दशार्ती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। जैसाकि घटना से संबंधित

तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मयार्दा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

दिल्ली के गृहमंत्री ने सचिवालय में दिल्ली फायर सर्विस की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की

बैठक में समर एक्शन प्लान को लेकर आशीष सूद ने फायर सर्विस के अधिकारियों संग चर्चा की

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली फायर सर्विस की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में गृह विभाग के प्रधान सचिव, दिल्ली फायर सर्विस के निदेशक के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस बैठक में विभाग में दिल्ली फायर सर्विस की कार्यशैली और भविष्य की कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही दिल्ली फायर सर्विस के कार्यरत समर एक्शन्न प्लान पर गम्भीरता से काम करने के निर्देश भी दिए। बैठक के बाद मंत्री महोदय ने बताया़ कि आज की इस बैठक में दिल्ली फायर सर्विस के प्रशासनिक और वित्तिय विभाग के साथ ही मैनपावर बढ़ाने के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस ने आधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ ही फायर ब्रिगेड की नई

गाड़ियों की खरीद पर निर्णय लिया जा रहा है। इसमें कुछ गाड़ियां विदेशी तकनीक और कुछ गाड़ी स्वदेशी तकनीक से लैस होंगी।

दिल्ली फायर सर्विस के निदेशक ने मंत्री महोदय को बताया कि दिल्ली में फिलहाल 65 फायर स्टेशन हैं, जिसमें 311 फायर यूनिट और 2420 लोग कार्यरत हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के काम करने की अवधि को कम करने करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि कर्मचारी और अधिक कर्मठता से काम करें। मंत्री महोदय ने यह भी बताया की आज बैठक में D G, C D, fire गृह मंत्रालय, नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस और दिल्ली फायर सर्विसेज के बीच एक टडव पर हस्ताक्षर करने के विषय पर भी चर्चा की गई। इस समझौते के अंतर्गत दिल्ली फायर सर्विसेज में नई तकनीक के उपयोग, फायर सर्विसेज एक्ट में संसोधन, दिल्ली फायर सर्विसेज का अपग्रेड और दिल्ली फायर सर्विसेज को देश विदेश की आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। आशीष सूद ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि जैसे-जैसे दिल्ली की जनसंख्या बढ़ रही है वैसे-वैसे ही हमें आग पर काबू पाने के लिए नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग करना होगा। दिल्ली की तंग गलियों से लेकर भीड़ भाड़ वाले बाजारों के लिए छोटी गाड़ियों के इस्तेमाल पर भी जोर देना होगा ताकि आग लगने की घटना होने पर तुरंत घटना स्थल पर गाड़ियां पहुंच सकें। श्री सूद ने यह भी कहा कि अग्निकांड जैसे हादसा होने पर त्वरित कार्रवाई करने की भी योजना बनाने की जरूरत है, ताकि दुघर्टना होने पर जल्द से जल्द लोगों को बचाया जा सके।

गृहमंत्री ने यह भी बताया कि बैठक में दिल्ली फायर सर्विस को स्टेट ऑफ दी आर्ट सर्विस बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। इस संबंध में निदेशक फायर सर्विस को कहा गया है कि देश के विभिन्न राज्यों की फायर सर्विस प्रणाली का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि उस राज्य की नई-नई तकनीकों को दिल्ली फायर सर्विस में लागू किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि फायर सर्विस निदेशक अगले 15 से 20 साल की योजना और बढ़ती हुई आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना बनाएं। इसके साथ ही फायर सर्विस लांग टार्म और शॉर्ट टर्म की भी योजना पर काम करें। मंत्री महोदय ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस को आधुनिक तकनीक से लैस करने के लिए फायर ब्रिगेड के बेड़े में 17 नए वाटर बाउजर, 4 एरियल वाटर टावर और 24 नए क्विक रिस्पांस वीकल शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड के बेड़े में कई रोबोटिक वाहन भी शामिल किए गए हैं। गृहमंत्री ने दिल्ली फायर सर्विस निदेशक को गर्मियों के समय में समर एक्शन्न प्लान पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया। गर्मियों में दिल्ली में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिस पर काबू पाने के लिए दिल्ली फायर सर्विस को हमेशा मुस्तैद रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आग लगने के कारणों का पता भी लगाया जाय और उससे लोगों को आग से बचने की सामान्य जानकारी भी दी जाए। फायर सर्विस के अधिकारी दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के बच्चों और कॉलोनियों में जाकर दिल्ली की जनता को आग से बचाव के प्रति जागरूक करने का सघन अभियान चलाएं।

त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत स्वयं भू शिव मंदिर में महाआरती एवं स्वच्छता अभियान संपन्न

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर जी की त्रिशताब्दी स्मृति वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयं भू शिव मंदिर, सी-ब्लॉक कविनगर में महाआरती एवं मंदिर स्वच्छता अभियान का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति की महिमा और राष्ट्रसेवा की भावना को समर्पित रहा। मंदिर परिसर में सर्वप्रथम स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्थानीय श्रद्धालुओं एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके पश्चात सायं 7 बजे दिव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर महारानी अहिल्याबाई होल्कर जी के लोककल्याणकारी जीवन को स्मरण किया। इस आयोजन की अध्यक्षता मयंक गोयल (महानगर अध्यक्ष, भाजपा) ने की। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन हमें धर्म, सेवा और नारी सशक्तिकरण की प्रेरणा देता है। उनका स्मरण केवल इतिहास नहीं, हमारी चेतना का जागरण है।ह्व उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं कार्यकताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में जिन-जिन लोगों ने भी योगदान दिया, वे सभी साधुवाद के पात्र हैं। यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक चेतना को और अधिक जाग्रत करता है। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने भारतीय संस्कृति की रक्षा और लोकसेवा का जो आदर्श प्रस्तुत किया, वह आज के युग में अत्यंत प्रासंगिक है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि हमारे इतिहास की महान विभूतियों का स्मरण करना नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का कार्य करता है। यह आयोजन गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जी ने सेवा, सदाचार और धर्मपालन को अपने शासन की नीति बनाया। आज जब हम उनकी 300वीं जयंती मना रहे हैं, तो यह हम सबके लिए प्रेरणा लेने का अवसर है। यह आयोजन न केवल महारानी अहिल्याबाई होलकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का माध्यम था, बल्कि स्वच्छता और भक्ति के माध्यम से सनातन मूल्यों को जनमानस तक पहुँचाने का सार्थक प्रयास भी सिद्ध हुआ। इस आयोजन के दौरान वरिष्ठ नेता गण, महानगर पदाधिकारीगण, मंडल पदाधिकारीगण सहित संयोजक मंडल मौजूद रहे।

20 दिनों से लापता व्यक्ति की हत्या का परिजनों ने खुद ही लगाया पता थाना पुलिस की कार्य शैली पर उठी उंगलियां

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। ग्रामीण क्षेत्र स्थित सीकरी कला गांव निवासी 40 वर्षीय एक व्यक्ति पिछले 20 दिनों से उसके परिजनों द्वारा लापता बताया जा रहा था। जिसकी सूचना परिजनों द्वारा उसी समय थाना पुलिस को दे दी गई। मोदीनगर पुलिस द्वारा इस संबंध में जब कोई सुनवाई नहीं की तो गुमशुदा व्यक्ति के परिवार वालों ने ही अपने भाई को तलाशने की ठानी ।पूरा परिवार इस काम में लगा रहा आखिर 20 दिन बाद उन्हें सफलता तो हाथ लगी लेकिन वह अपने परिवार सदस्य को जिंदा नहीं ढूंढ पाए बलिक उन्हें उसकी सडी गली लाश व उसके कुछ अस्ति पंजर मिले।

मालूम हो कि मोदीनगर थाना क्षेत्र स्थित गांव सीकरी कला निवासी 40 वर्षीय उमाशंकर उर्फ उदल पिछले 20 दिनों से अपने घर से लापता था जिसकी सूचना उसके परिजनों द्वारा स्थानीय थाना पुलिस को लिखित में दे दी गई। जिसको लेकर थाना पुलिस द्वारा कोई तत्परता नहीं दिखाई गई जबकि गुमशुदा व्यक्ति के परिजन बार-बार थाने में चक्कर लगाते रहे ।आखिर थाना पुलिस से कोई सहयोग न मिलता देख उमाशंकर के परिजन खुद ही उसकी तलाश में जुट गए। आखिर लगभग 20 दिनों बाद गुमशुदा उमाशंकर की सड़ी गली लाश उसी के गांव के पास स्थित हेरिटेज स्कूल के पीछे खेतों में पड़ी मिली जहां उमाशंकर उर्फ उदल के परिजनों ने उसकी कमीज से उसकी पहचान की इसके बाद घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी गई तो थाना अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए आनन-फानन में पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे जहां उन्होंने मृतक के परिजनों से बात कर सारी जानकारी प्राप्त की। परिजनों द्वारा बताए गए आरोपियों को थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर शुक्रवार को इस घटना का खुलासा करते हुए बताया गया कि पांच हत्या आरोपियों ने मिलकर उमाशंकर उर्फ उदल का गमछे से गला घोट कर पहले उसकी हत्या की उसके बाद मिट्टी का तेल छिड़क कर उसके शरीर को जला दिया। फिलहाल पांचो हत्या आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोप में जेल भेज दिया गया। (हत्या इस घटना को लेकर पुलिस कार्य शैली पर लोग तरह-तरह के सवाल उठा रहे हैं कोई इस हत्या को पुलिस की नाकामी बता रहा है तो कोई लापरवाही बरहाल क्षेत्र में मोदीनगर थाना पुलिस के खिलाफ चर्चा जोरों पर है।)

(हत्या आरोपियों ने ही मंगलवार रात को शराब की दावत में खुद ही बता दिया कि हमने उदल को मारकर उसकी लाश हेरिटेज स्कूल के पीछे फेंक दी है।) गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता-नीरज सैनी पुत्र जयपाल सैनी उम्र 33 वर्ष। 2.अजय उर्फ छिद्दा पुत्र मानसिंह नाई उम्र 29 वर्ष 3.पकंज सैनी पुत्र खुशी सैनी उम्र 19 वर्ष 4.मनोज सैनी पुत्र राकेश सैनी निवासीगण सीकरी कलाँ थाना मोदीनगर कमि० गाजियाबाद उम्र 22 वर्ष 5. गौरव सैनी उर्फ कालू पुत्र बाल किशन निवासी नई बस्ती थाना टी पी नगर जनपद मेरठ के रहने वाले बताए गए।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं०-न्याय खण्ड-I/137-ए, ई०डब्लू०एस० इन्दिरापुरम गाजियाबाद प्राधिकरण से श्री गोपाल राम के नाम आवंटित था। आवंटन उपरान्त श्री गोपाल राम द्वारा श्रीमती सोना देवी पत्नी श्री राजपाल सिंह को उक्त भवन का मु०आम० नियुक्त किया गया था। नियुक्त मु०आम० के आधार श्रीमती सोना देवी द्वारा उक्त भवन की रजिस्ट्री मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक-14.11.2024 को निष्पादित करा ली गयी। मु०आम० के आधार श्रीमती सोना देवी द्वारा उक्त भवन दिनांक 02.04.2025 को श्रीमती पूजा ठाकुर पत्नी श्री गुलाब कुमार ठाकुर को विक्रय कर दिया गया है। अब श्रीमती पूजा ठाकुर पत्नी श्री गुलाब कुमार ठाकुर उक्त भवन के अभिलेखों में विक्रय विलेख, शपथ पत्र, पहचान पत्र, के आधार पर एकल रूप से अपना नाम दर्ज कराना चाहती हैं। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में श्री गोपाल राम मु० आम० श्रीमती सोना देवी के स्थान पर श्रीमती पूजा ठाकुर का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या- सी0 232 सै09 विजयनगर गाजियाबाद का आवंटन श्री मोहन लाल पुत्र श्री रघुवीर सिंह के पक्ष में किया गया है, आवंटी द्वारा उक्त भवन की बाबत श्रीमती दुर्गेश वार्ष्णेय पत्नी श्री एस० के० वार्ष्णेय को दिनांक 26.04.03 को पंजीकृत मुख्यारेआम नियुक्त किया गया है। मुख्यारेआम द्वारा मूल आवंटी के पक्ष में विक्रय विलेख दिनाँक 03.01.04 को निष्पादित करा गया है। तथा उक्त मुख्यारेआम द्वारा दिनाँक 02.04.2025 को श्रीमती सरोज पत्नी श्री महेन्द्र कुमार के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित कर दिया गया है। अब वर्तमान क्रेता श्रीमती सरोज पत्नी श्री महेन्द्र कुमार उक्त भवन के अभिलेखो में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात प्राधिकरण अभिलेखो में मूल आवंटी के स्थान पर श्रीमती सरोज पत्नी श्री महेन्द्र कुमार का भवन के अभिलेखो में नाम दर्ज कर दिया जायेगा, तदोपरान्त कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-न्यायखण्ड-1/12-ए, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद श्री भुवन चन्द पुत्र श्री हरीदत्त को आवंटित है। मूल आवंटी द्वारा श्रीमती हंसा देवी पत्नी श्री मनोरथ प्रसाद को मु०आम नियुक्त किया गया है। मु०आम श्रीमती हंसा देवी पत्नी श्री मनोरथ प्रसाद द्वारा मूल आवंटी श्री भुवन चन्द पुत्र श्री हरीदत्त के पक्ष में रजिस्ट्री 30.04.2008 निष्पादित कराया गया है। तत्पश्चात मु०आम श्रीमती हंसा देवी द्वारा श्री त्रिलोक चन्द पुत्र श्री आत्मा राम को दिनांक 10.06.2008 विक्रय किया गया है। तदोपरान्त श्री त्रिलोक चन्द पुत्र श्री आत्मा राम द्वारा श्री अनूप कुमार सिंह पुत्र श्री हाकिम सिंह को दिनांक 21.03.2011 को विक्रय किया गया है। अब वर्तमान क्रेता श्री अनूप कुमार सिंह द्वारा नियमानुसार शपथ पत्र, रजिस्ट्री की प्रति एवं पहचान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करतें हुए नामदर्ज हेतु अनुरोध किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में मूल आवंटी के स्थान पर वर्तमान क्रेता का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-6
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद

सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-सी-597, एल.आई.जी. नन्दनिकुंज, नन्दग्राम, गाजियाबाद का आवंटन श्री दीपक चंद जोशी पुत्र स्व. श्री नित्यानन्द जोशी को हुआ है। इनके द्वारा श्री रामायन सिंह पुत्र श्री राम सुबक को दिनांक 22.05.2001 को मुख्यारेआम पंजीकृत किया गया है। मुख्यारेआम के माध्यम से मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 13.11.2002 को विक्रय विलेख निष्पादित कराकर भवन का विक्रय श्रीमती मन्जू देवी पत्नी श्री रामायन सिंह के पक्ष में दिनांक 14.11.2002 को कर दिया गया। तदोपरान्त श्रीमती मन्जू देवी द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री राम लखन सिंह पुत्र श्री लाल बिहारी सिंह को पक्ष में दिनांक 20.01.2012 को कर दिया गया। इनके द्वारा भवन के अभिलेखों में नाम दर्ज नहीं कराया गया है। अब श्री राम लखन सिंह की मृत्यु दिनांक 29.04.2021 को हो जाने के कारण इनके वारिसगण उक्त भवन के अभिलेखों में अपना नाम संयुक्त रूप से दर्ज कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	मूल आवंटी/ पट्टाधारक/ स्वामी का नाम	भवन संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पति/पिता का नाम सहित)	आवेदनकर्ताओ का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री दीपक चन्द जोशी पुत्र स्व. श्री नित्यानन्द जोशी	सी-597, एल.आई.जी.	नन्दनिकुंज नन्दग्राम	श्रीमती प्रेमशिला, श्री हिमांशु सिंह, श्री प्रियांशु कुमार सिंह व श्री पीयूष कुमार सिंह (संरक्षिका माता प्रेमशिला) पत्नी/पुत्रगण स्व. श्री रामलखन सिंह	पता- सी-597, एल.आई.जी. नन्दनिकुंज, नन्दग्राम, गाजियाबाद। मो.-995316183	मृत्यु उपरान्त नाम दर्ज	पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन के नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

कैबिनेट मंत्री जय कुमार जीतेन्द्र सिंह रावल का सपरिवार परमार्थ निकेतन में आगमन

बाणगंगा के पावन तट और सागर के तटों पर मुम्बई में आरती शुरू करने पर हुई चर्चा

हिन्द आत्मा संवाददाता

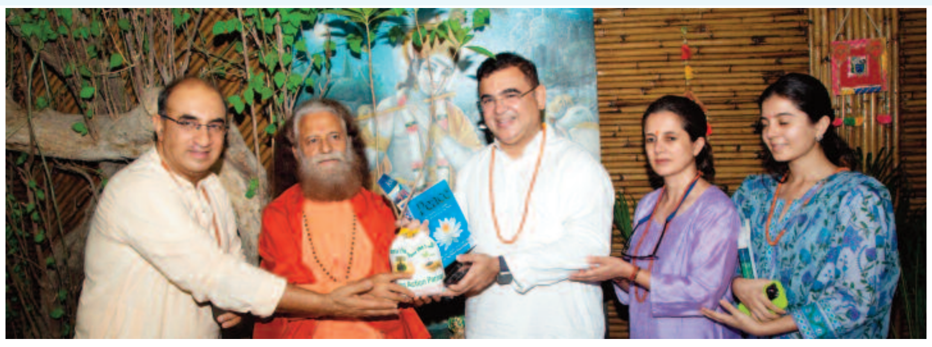

ऋषिकेश। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री जय कुमार जीतेन्द्र सिंह रावल जी का उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुभद्रा कुमारी रावल और पुत्री सुश्री वेदान्तेश्वरी रावल के साथ परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवार संग आध्यात्मिक यात्रा पर आये जय कुमार रावल से स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने जल संरक्षण, जल के प्रति जागरूकता और बाणगंगा, समुद्र व नदी तटों की महत्ता को जन-जन तक पहुँचाना हेतु आरती शुरू करने हेतु विशेष रूप से चर्चा की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि मुंबई में समुद्र तट एवं बाणगंगा जैसे पवित्र जल स्थलों पर आरती के शुभारंभ से जनजागरण, जल संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में एक महान क्रांति हो सकती है। बाणगंगा और समुद्र तटों पर आरती आरंभ करने से लोगों में जलस्रोतों के प्रति आस्था और जागरूकता दोनों ही बढ़ेगी।

स्वामी जी ने कहा कि सागर सेवा संकल्प के रूप में हम एक शुरूआत कर सकते हैं। भारत के समुद्र तट सिर्फ आर्थिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जब हम तटों पर आरती करेंगे, तो यह एक संदेश होगा कि हम जल को पूज्य मानते हैं उसे प्रदूषित नहीं, पवित्र रखना हमारा कर्तव्य है। बाणगंगा, जो मुंबई के मालाबार हिल में स्थित एक पवित्र तीर्थ स्थल है, सदियों से साधु-संतों और श्रद्धालुओं के लिए तप और स्नान का पवित्र स्थान रहा है परंतु आज शहरीकरण और जनसंख्या के दबाव में इसके जल की पवित्रता खतरे में है। यदि यहां नियमित रूप से आरती और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, तो न केवल इसकी आध्यात्मिक गरिमा पुनः स्थापित होगी, बल्कि स्थानीय समुदाय भी इसके संरक्षण के लिए प्रेरित होगा। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा, जहाँ श्रद्धा है, वहाँ सुरक्षा है। समुद्र तटों पर आरती पर्यावरणीय चेतना का प्रकाश भी है। हम जो आरती करते हैं, वह केवल दीपक की नहीं होती, वह संकल्प की आरती भी होती है, जल को बचाने, प्रदूषण को रोकने, और समुद्र के इकोसिस्टम को सुरक्षित रखने की एक प्रेरणा होती है। मुंबई जैसे महानगर में जहां समुद्र तट पर्यटन, मत्स्य व्यापार और रोजगार का बड़ा माध्यम हैं, वहां की सफाई और सुरक्षा देश की इकोनॉमी और इकोलॉजी दोनों को प्रभावित करती है। आरती जैसे आयोजन पर्यावरण संरक्षण को एक जनांदोलन का स्वरूप दे सकते हैं। स्वामी जी ने कहा कि जब हमारे देश के युवा प्रकृति की रक्षा का संकल्प लें और जलस्रोतों को पवित्र मान कर उनका संरक्षण करे तो भारत वास्तव में पुनः ऋषियों के संकल्प का भारत बन जाएगा। बाणगंगा का संबंध भगवान श्रीराम जी से जुड़ा है। शास्त्रों के अनुसार, जब श्रीराम जी, सीता जी की खोज में दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे, तब उन्होंने वर्तमान मुंबई के इस क्षेत्र में विश्राम किया। यहाँ लक्ष्मण जी को प्यास लगी, परंतु पीने के लिए जल उपलब्ध नहीं था। तब श्रीराम ने अपने धनुष के बाण से धरती से गंगा प्रकट की, उसी बाण से प्रकट हुई गंगा को ही 'बाणगंगा' कहा जाता है। ज्ञात हो कि बाणगंगा तालाब का वर्तमान स्वरूप 12वीं शताब्दी में बना, जब सिल्हारा वंश के शासनकाल में एक प्रमुख गौड़ ब्राह्मण मंत्री लक्ष्मण प्रभु जी ने इसका पुनर्निर्माण करवाया। बाद में 1715 में मुंबई के प्रतिष्ठित गौड़ सरस्वत ब्राह्मण समुदाय द्वारा वॉकेश्वर मंदिर और बाणगंगा तालाब की संरचना को और अधिक विस्तार दिया गया। माननीय कैबिनेट मंत्री श्री जयकुमार रावल जी ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार इकोनॉमी और इकोलॉजी दोनों के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाणगंगा जैसी प्राचीन जलधरोहरें हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं, जो हमें जल, जीवन और परंपरा की गहराई का बोध कराती हैं। इनका संरक्षण पर्यावरणीय दृष्टि से तो जरूरी है साथ ही भावी पीढ़ियों को हमारी परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी है। सरकार ऐसे पवित्र स्थलों के पुनरोद्धार और जागरूकता अभियान को प्राथमिकता दे रही है। स्वामी जी ने पूरे रावल परिवार को हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

डॉ. उदिता त्यागी ने मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर रोक को निराशा जनक बताते हुए अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई

मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर रोक लगना निराशाजनक परन्तु न्यायपालिका धन्यवाद की पात्र है : डॉ. उदिता त्यागी

गाजियाबाद। यति नरसिंहानंद सरस्वती ट्रस्ट की महासचिव डॉ. उदिता त्यागी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उच्च न्यायालय ने उनके द्वारा दायर प्रथम सूचना रिपोर्ट को खारिज करने से इनकार करते हुए यह स्पष्ट किया है कि उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की गहन और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इस निर्णय के लिए वो माननीय उच्च न्यायालय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हैं। यह न केवल उनके विश्वास को मजबूती देता है बल्कि यह भी दशार्ता है कि न्यायिक प्रक्रिया में सत्य और धर्म की रक्षा के लिए स्थान है। उन्होंने इसके लिए मां बगलामुखी और महादेव की कृपा बताते हुए आगे संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। उनका यह भी कहना है कि यह देखकर निराशा होती है कि माननीय न्यायालय ने मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक को बढ़ा दिया है।इससे उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं क्योंकि उनका मानती हूँ कि उनके कृत्यों ने न केवल सामाजिक सौहार्द को प्रभावित किया बल्कि सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए खतरा भी उत्पन्न किया। फिर भी वो उच्च न्यायालय के इस निर्णय का सम्मान करती हैं और आशा करती हैं कि जांच के दौरान सत्य सामने आएगा और न्याय की जीत होगी। उन्होंने माननीय न्यायालय से यह भी अनुरोध किया कि इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए ताकि सनातनियों के साथ-साथ मेरे परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अब के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपील की कि वे इस मामले में आगे भी उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने का दोषी बच न सके। उन्होंने माननीय उच्च न्यायालय का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने मेरी प्रथम सूचना रिपोर्ट को खारिज नहीं किया और जांच को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने दोनों वकील कपिल त्यागी (हाई कोर्ट इलाहाबाद)व आदित्य श्रीनिवासन (सुप्रीम कोर्ट दिल्ली) तथा अपने साथ देने वाले सोशल मीडिया के योद्धाओं जिनमें अजीत भारती, दीपक शर्मा सहित अनेक नाम हैं और अपने साथियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

हंसमुख और मिलनसार, युवा एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर का चार्ज दिया गया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अजय गुप्ता ने कहा कि एक ऐसे अधिकारी जो जनता की परेशानियों का समाधान करने के लिए तत्पर तैयार रहते थे। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह जो कवि नगर क्षेत्र का कार्य बखूबी देख रहे थे। उनको पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर का चार्ज दिया गया है। स्वतंत्र कुमार सिंह ऐसे अधिकारी रहे हैं जिनके चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट और दया की भावना बनी रहती है। एक किस्सा याद आता है जब वह एसीपी इंदिरापुरम का चार्ज देख रहे थे एक युवती पारिवारिक क्लेश के कारण आत्महत्या करने के लिए छत पर चढ़कर कूदने के लिए तैयार थी पर एसीपी स्वतंत्र कुमार ने उसको समझा बूझाकर नीचे उतारा बल्कि उस युवती से राखी बंधवा कर अपने भाई होने का फर्ज अदा किया। ऐसे अधिकारी हमेशा लोगों के दिल में अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जिनको देखकर एक राजकपूर का गाना याद आता है- (किसी की मुस्कुराहटो पर हो निसार किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार जीना इसी का नाम है)। स्वतंत्र कुमार का गाजियाबाद से जाने का दर्द तो है सबको, मगर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए, उनका दिल की गहराइयों के साथ सम्मान करते हैं।

श्री ऋषभॉचल स्थापना दिवस एवं 27 वॉ ऋषभदेव पुरस्कार समर्पण समारोह 26 को मनाया जाएगा

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी श्री दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र में श्री ऋषभॉचल स्थापना दिवस एवं 27 वॉ ऋषभदेव पुरस्कार समर्पण समारोह 26 मई 25 को बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, मंगल कलश स्थापना, जिनवाणी स्थापना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा अनेको कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर ऋषभदेव पुरस्कार, ऋषभॉचल पुरस्कार, मातृ छाया सम्मान, धर्म संवर्द्धन सम्मान आदि समाज के व्यक्तियों को प्रदान किए जाएंगे। यह जानकारी जैन समाज के प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी अजय जैन ने दी।

अजय जैन ने यह भी बताया कि इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली के सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता के साथ-साथ अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्मपाल जैन, विनय जैन, अशोक गोयल जैन, जीवेन्द्र जैन, अतुल जैन मेरठ, राकेश जैन हाँसी वाले, अजय जैन पत्रकार, प्रदीप जैन सन्मति, सुधीर जैन कानूनगो, प्रदीप जैन उपहार घर, हेम चंद जैन, आरसी जैन आर्किटेक्ट, जे.के.जैन शामली विशेष सहयोग कर रहे हैं।

---

50 क्षय रोगियों को रोटरी क्लब न्यू गाजियाबाद के सौजन्य से गोद लिया गया तथा उनको एक माह के लिए पुष्टाहार पोटली वितरित की

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी.बी. जैसी भयंकर बीमारी का अस्तित्व मिटाने के लिए प्रत्येक भारतवासी को स्वस्थ और सक्षम देखने का संकल्प लेते हुए 2025 तक टी.बी. मुक्त भारत का संदेश दिया है जिसके अनुसरण में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी गाजियाबाद इकाई ने अपने प्रदेश अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आदेश का अनुपालन करते हुए जनपद गाजियाबाद को स्वस्थ समर्थ जनपद बनने के लिए वचनबद्ध है। रेड क्रॉस गाजियाबाद के तत्वाधान में डूंडाहेड़ा गाजियाबाद जिला राजकीय चिकित्सालय में शुक्रवार को पुनः 50 क्षय रोगियों को रोटरी क्लब न्यू गाजियाबाद के सौजन्य से गोद लिया गया तथा उनको एक माह के लिए पुष्टाहार पोटली वितरित की। आज इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट के भावी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. रवि बाली उपस्थित रहे। जहां उन्होंने रेड क्रॉस के टी.बी. मुक्त आंदोलन की भूरी- भूरी प्रशंसा की तथा सभी को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी रोटरी इसी प्रकार रेड क्रॉस की हर सेवा में साथ रहेगा।

टी.बी. एक भयंकर बीमारी है लेकिन जब सब भारतवासी एकजुट होकर इस बीमारी के निदान के लिए सेवा करेंगे तो हमें निजात अवश्य मिलेगी। जनपद गाजियाबाद के लिए इस बीमारी से लड़ने के लिए एक योजना तैयार की है कि सभी संभ्रांत व सक्षम जन एक एक मरीज को 6 महीने के लिए गोद लेकर उसके खानपान का तथा पौष्टिक आहार का प्रबंध करेंगे तो सभी मरीज स्वस्थ हो सकते हैं। गाजियाबाद में सभी सक्षम हैं उच्च विचारों के लोग हैं सभी मिलकर एक साथ इस बीमारी के लिए संघर्ष करेंगे। रोटरी क्लब न्यू गाजियाबाद के अध्यक्ष एन.ए. बर्नि की अध्यक्षता में विजय गौड़, कविता गौड़, गौरव त्यागी, प्रमोद शर्मा, विवेक गुप्ता व आसिफ खान सहित सभी का अभूतपूर्व सहयोग मिला। विज्ञप्ति जारी करते हुए रेडक्रॉस सभापति सुभाष गुप्ता ने कहा पोलियो के बाद टी.बी. एक ऐसी बीमारी है इसके निदान के लिए सभी लोग मिलकर काम कर रहे हैं रेड क्रॉस के साथ रोटरी और इनरव्हील भी साथ है। रेड क्रॉस सचिव किरण गर्ग ने चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अतुल आनंद, एम.सी. गौड़, विपिन अग्रवाल, संजय यादव, रविंद्र सिंह, मीडिया बंधुओं व अन्य सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

नारायणा ई टैक्नो स्कूल के छात्रों ने सिविल डिफेंस न सिखाए आपदा में बचाव के उपाय

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। गत दिनों देश में छाए युद्ध के बादलों को देखते हुए गाजियाबाद के तमाम स्कूलों में इन दिनों सिविल डिफेंस की ओर से छात्र छात्राओं को आपदा से बचाव का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित नारायणा ई टैक्नो स्कूल में सिविल डिफेंस के सहायक उपनियंत्रक गुलाम नबी एवं कलेक्ट्रेट प्रखंड के डिवीजनल वार्डन सुधीर कुमार के नेतृत्व में आपदा से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर एडीसी श्री नबी ने बताया कि युद्ध के खतरे के दौरान खतरे के सायरन को कैसे पहचानें। छात्रों को बताया गया कि आपात स्थिति में कैसे खुद का बचाव करना है। घायलों को प्राथमिक उपचार केन्द्र तक किस तरह ले जाना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन सुधीर कुमार ने किया। इस मौके पर सिविल डिफेंस की ओर से हर्ष वर्मा, संध्या त्यागी, रमाकांत सिंह यादव, राकेश गुसाईं, प्रदीप बाली, संजय बघेल, संजय खन्ना, शिवकुमार शर्मा, रामकुमार आर्य, रमा गुप्ता, मोहन शर्मा, मनोज कुमार गुप्ता, गगन अरोड़ा , दयाल दत्त, संजय शर्मा, ज्योति गुप्ता, मनोज कुमार आदि ने सहयोग किया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस छात्र-छात्राओं हेतु व्हाइट कोट एंड एकेडमिक अवार्डस सेरेमनी का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद में 23 मई को गत वर्षो की भाँति बीडीएस पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए व्हाइट कोट एवं एकेडमिक अवार्डस सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस समारोह में बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को आधिकारिक तौर पर क्लीनिक की जिम्मेदारी सौपी गयी तथा सभी विद्यार्थियों को क्लीनिक में प्रवेश करने से पहले शपथ द्वारा चिकित्सा नैतिकता का पालन करने तथा रोगियों के लिये लाभकारी होने की प्रतिज्ञा दिलायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि डॉ अखिलेश मोहन मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद तथा चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डॉ आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-, प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्टी सहित सभी दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। इसके बाद डॉ पीयूष कुमार, डीन-यूजी स्टडीज ने सभा को संबोधित किया एवं उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को व्हाइट कोट समारोह के बारे में जानकारी दी और विद्यार्थियों की एकेडमिक उपलब्धियों को विस्तार से बताया। डॉ पायल शर्मा, डीन-सीडीई, एलुमनाई एंड रिसर्च ने सभी विद्यार्थियों की साइंटिफिक एवं को-करिकुलर उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसके बाद कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ अखिलेश मोहन एवं चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डॉ आरपी चड्ढा एवं

वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ एवं अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के बीडीएस पाठ्यक्रम के टॉपर्स तथा कॉलेज के बीडीएस पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं को रैंक इम्प्रूवमेन्ट अवार्ड के रूप में प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। डॉ सोनाली तनेजा, डीन-पीजी स्टडीज द्वारा बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण कराई गई। वार्षिक फैकल्टी एप्रिसिएशन एवं रिसर्च पुरस्कार संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्टी द्वारा वितरित किये गए। नये क्लीनिकल विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ अखिलेश मोहन, चेयरमैन, डॉ आर पी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों के अभिभावकों का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनको विश्व स्तरीय क्लीनिकल कौशल और रिसर्च को शामिल करने के साथ अपने दंत चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ अखिलेश मोहन ने संस्थान के छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के लिये संस्थान की सराहना की और सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने एकेडमिक गतिविधियों के लिये संस्थान द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की, जिसने आईटीएस डेंटल कॉलेज को देश के सर्वश्रेष्ठ डेंटल कॉलेजों में से एक बना दिया है। विशिष्ट अतिथि को आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ शिवानी माथुर, डीन-स्टूडेंट्स अफेयर्स द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ किया गया।

भक्ति, शक्ति, बुद्धि और युक्ति का संगम है हनुमानगढ़ी: योगी

कहा- हनुमानगढ़ी केवल एक मंदिर नहीं, सनातन धर्म की रक्षा के लिए योद्धा भाव का प्रतीक है

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान हनुमानगढ़ी में श्रीहनुमत कथा मंडपम का भव्य लोकार्पण किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने अयोध्या की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक प्रगति की चर्चा करते हुए सनातन धर्म की रक्षा और इसके वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अपने संबोधन में उन्होंने हनुमानगढ़ी को भक्ति, शक्ति, बुद्धि और युक्ति का संगम बताते हुए इसे सनातन धर्म का एक अडिग गढ़ बताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को अव्यवस्थाओं में झोंककर इसे अपमानित करने का कार्य किया गया। वहीं 2014 और 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास डबल स्पीड से हुआ है। सीएम योगी ने यह भी कहा कि हमें अपने मित्र और शत्रुओं की पहचान रखना जरूरी है। देश को सनातन धर्म के मार्ग में बाधा डालने वालों को चिह्नित करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म भारत के अस्तित्व की पहचान है और इसकी गरिमा और सम्मान के विरुद्ध हमें कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि उसके अंत की शुरूआत हो चुकी है और आतंकवाद ही उसके अंत का कारण बनेगा।

योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म को भारत के अस्तित्व और वजूद का आधार बताते हुए कहा कि इसके सम्मान और गरिमा के खिलाफ कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं और संतों से आह्वान किया कि वे अपने योद्धा भाव को बनाए रखें और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि भारत छेड़ता नहीं है और कोई छेड़ तो उसे छोड़ता भी नहीं है। सीएम योगी ने हनुमान जी का उदाहरण देते हुए कहा कि बजरंगबली ने रावण के दरबार में यही संदेश दिया था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद को बर्बाद कर रहा है। भारतीय सेना की कार्रवाई में 124 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। यह गलती पाकिस्तान की है, जो आतंकियों को प्रश्रय दे रहा है। ये आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा और इसमें ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। जिसका अपना वास्तविक अस्तित्व न हो, उसकी एक निश्चित लाइफ होती है। अब पाकिस्तान का समय पूरा हो गया है।

उन्होंने पूर्वोत्तर अयोध्या के शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सेना के अतिरित प्रदेश सरकार वीरगति प्राप्त करने वाले हमारे वीरों के परिवारों को 50 लाख रुपये, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और शहीद के नाम पर स्मारक बनाकर सम्मान देने का काम रही है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या को सनातन धर्म का वैश्विक केंद्र बताते हुए कहा कि आज अयोध्या का नाम सुनते ही लोगों के मन में उत्साह और उमंग जागती है। दुनिया का कोई सनातन धर्मावलंबी ऐसा नहीं, जिसका मन अयोध्या की ओर न हो। उन्होंने कहा कि अमेरिका, कनाडा, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया या न्यूजीलैंड में रहने वाला प्रत्येक सनातन धर्मावलंबी भारत आने पर अयोध्या का रुख करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अयोध्या में पहले हनुमानगढ़ी और फिर श्रीराम जन्मभूमि के दर्शन की परंपरा सनातन धर्म की आस्था का आधार है। जैसे काशी में काल भैरव के दर्शन के बाद विश्वनाथ के दर्शन होते हैं, वैसे ही अयोध्या में हनुमानगढ़ी के दर्शन के बाद श्रीराम के दर्शन पुण्य प्रदान करते हैं।

हनुमानगढ़ी के वैभव को बढ़ाएगा श्रीहनुमत कथा

मुख्यमंत्री ने श्रीहनुमत कथा मंडपम को सत्संग, कथाओं और आध्यात्मिक आयोजनों का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि यह मंडपम विशिष्ट अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था के साथ हनुमानगढ़ी के वैभव को और बढ़ाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने संतों और नागाओं से आह्वान किया कि वे सनातन धर्म के कार्यक्रमों को और भव्य बनाएं। सीएम योगी ने कहा कि हमें अपने मित्र और शत्रु को पहचानना होगा। जो सनातन धर्म के मार्ग में बाधा डालते हैं, उन्हें चिह्नित कर सरकार और प्रशासन को सूचित करना होगा। हनुमान जी की तरह हमें विघ्नों को पार करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने महाकुंभ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि 66 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और कोई भी विघ्न नहीं डाल सका। यह सनातन धर्म की ताकत है, जो विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है।

गोरक्षपीठ और अयोध्या का अटूट नाता

सीएम योगी ने गोरक्षपीठ और अयोध्या के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ जी महाराज, विहिप के अशोक सिंहल जी और दिगंबर अखाड़े के महंत रामचंद्र जी महाराज ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को मजबूती दी। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज हम श्रीराम लला के भव्य मंदिर को देख रहे हैं। हनुमानगढ़ी ने भी इस संकल्प को आगे बढ़ाया और यह मंडपम इसका जीवंत उदाहरण है।

इस अवसर पर प्रेमदास जी महाराज, महंत संतराम दास जी महाराज, महंत मुरलीदास जी महाराज, महंत रामचरण दास जी महाराज, सरपंच रामकुमार दास जी महाराज, महेश दास जी महाराज, गौरीशंकर दास जी महाराज, संजय दास जी महाराज, बाबा राजू दास, महंत अवधेश कुमार जी महाराज, कमल नयन दास जी महाराज, देवेन्द्र प्रसादाचार्य जी महाराज, रामलखन दास जी महाराज, रामानंद दास जी महाराज सहित अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, विधायकगण वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, डॉ अमित सिंह चौहान, चंद्रभान पासवान, रामजन्म भूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, बीजेपी जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव के साथ ही संतजन, भक्तजन मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने इससे पहले हनुमत कथा मंडपम के निर्माण में सराहनीय कार्य करने वालों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इनमें अंकित जायसवाल, जय प्रकाश श्रीवास्तव, रंजीत जायसवाल, विपुल अग्रवाल, संजय सिंह, विनय सिंह शामिल रहे।

त्रेतायुगीन विरासत और सनातन धर्म का रक्षक है हनुमानगढ़ी

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत हनुमानगढ़ी के त्रेतायुगीन टीले को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा की यहां से हनुमान जी महाराज ने अयोध्या धाम की रक्षा की है। उन्होंने बाबा अभयराम दास जी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह श्रीहनुमत कथा मंडपम बाबा अभयराम दास जी की दूरदर्शिता और वैष्णव अखाड़ों की सनातन परंपरा का जीवंत प्रतीक है। उनकी कृपा से आज हम इस भव्य स्वरूप को देख रहे हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन, पूज्य संतों और नागाओं की प्रशंसा की, जिन्होंने एक-एक पाई बचाकर इस मंडपम का निर्माण किया। सीएम योगी ने कहा कि हनुमानगढ़ी केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए योद्धा भाव का प्रतीक है। यह मंडपम आने वाली पीढ़ियों के लिए हनुमानगढ़ी के वैभव को संरक्षित रखेगा। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी का यह मंडपम न केवल आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, बल्कि सत्संग और कथाओं के माध्यम से सनातन धर्म के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आपका इतिहास सनातन धर्म के उस कालखंड की सेना के रूप में जाना जाता है, जब देश विधर्मियों आक्रांताओं से त्रस्त था तब अखाड़ों ने सनातन धर्म की रक्षा केलिए स्वयं को समर्पित किया था।

500 वर्षों के अंधकार का अंत है भव्य श्रीराम मंदिर

मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को सनातन धर्म के इतिहास का सबसे ऐतिहासिक और अभिनंदनीय कार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 500 वर्षों का अंधकार दूर हुआ। पिछली सरकारों के लिए यह असंभव था, लेकिन डबल इंजन की सरकार ने डबल स्पीड से इसे साकार किया। उन्होंने नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट का श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मंदिर का भूमि पूजन और 22 जनवरी 2024 को श्रीराम लला के भव्य मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं, जो अयोध्या आए और श्रीरामलला के दर्शन किए। उनका संकल्प था कि 'सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे' और इसे उन्होंने पूरा किया।

अव्यवस्था से वैभव की ओर बढ़ी अयोध्या

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि 2014 और 2017 से पहले अयोध्या अव्यवस्था, टूटी-फूटी सड़कों, बिजली की कमी और गंदगी से जूझ रही थी। जब हम यहां आते थे, तो राम की पैड़ी का पानी सड़ता था, घाटों पर गंदगी थी और हर दूसरे दिन कर्फ्यू जैसी स्थिति रहती थी। लेकिन 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या को नया स्वरूप दिया। उन्होंने अयोध्या के बुनियादी ढांचे में आए बदलावों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब फोरलेन सड़कों से जुड़ चुकी है और शहर के अंदर के मार्ग भी चौड़े हो गए हैं। पहले जहां एक ट्रेन के लिए लोग तरसते थे, आज अयोध्या देश के हर कोने से रेलवे के माध्यम से जुड़ गया है। महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण ने अयोध्या को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। त्रेतायुग में भगवान राम पुष्पक विमान से आए थे उसके बाद अब जाकर यहां बड़े-बड़े विमान यहां उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरयू के घाट और अयोध्या के कुंड अब स्वच्छ और सुंदर हैं। बिजली की समस्या इतिहास बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने दीपोत्सव के आयोजन को अयोध्या के वैभव को पुनर्जनन देने वाला कदम बताया। कहा कि 2017 में जब दीपोत्सव शुरू हुआ तो हमारा विश्वास था कि अयोध्या ने ही दुनिया को दीपावली दी है। आज यह आयोजन वैश्विक स्तर पर अयोध्या की पहचान बन चुका है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह का भव्य स्वागत

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह के गाजियाबाद आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। यह स्वागत कार्यक्रम महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में रेडिसन ब्लू होटल के समक्ष आयोजित किया गया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक नारों और पुष्पगुच्छों के साथ अरुण सिंह का अभिनंदन किया। इस मौके पर पार्टी में जोश और उमंग का विशेष वातावरण देखने को मिला। कार्यकताओं के इस आत्मीय स्वागत से श्री सिंह विशेष रूप से अभिभूत दिखे। उन्होंने सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संदेश दिया।

पं. अभय रुसतम सोपोरी की सुरमयी प्रस्तुति, नेहरु वर्ल्ड स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। 22 मई 2025 नेहरू वर्ल्ड स्कूल में स्पिक मैके के सहयोग से एक विशेष संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात संतूर वादक पं. अभय रुसतम सोपोरी ने अपनी कला का अ द्भुत प्रदर्शन किया। पं. सोपोरी जो यूनाइटिड नेशन महात्मा गाँधी ग्लोबल पीस अवार्ड, नेशनल अटल शिखर सम्मान, राधाष्णन नेशनल अवार्ड, भरत शिरोमणि अवार्ड एवं जम्मू कश्मीर स्टेट अवार्ड से सम्मानित हैं। इस कार्यक्रम में पं. सोपोरी का साथ तबले पर सचिन शर्मा ने दिया, पखावज पर ऋषि शंकर उपाध्याय रहे, जिनके सहयोग से प्रस्तुति और भी भावपूर्ण हो गई। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान नेहरू वर्ल्ड स्कूल की एग्जीक्यूटिव हेड सुजन होम्स और निदेशक प्रशासन केपी सिंह ने उपहार व पुष्प देकर किया। पं. सोपोरी का यह प्रदर्शन न केवल संगीत बल्कि एक शिक्षाप्रद अनुभव भी रहा। उनके संतूर की मधुर धुनों ने दसवीं से बारहवीं तक के छात्रों को एक घंटे से भी अधिक समय तक मंत्रमुग्ध रखा। पं. प्रसन्ना ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने रागों की संरचना, सुरों का संयोजन और संगीत की गहरी परंपरा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को संगीत का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए अपने वादन को अत्यंत संवादात्मक रखा, जिससे बच्चे भी इस अनुभव का हिस्सा बन सके। छात्रों ने विशेष रूप से पं. सोपोरी की सादगी और सहजता से प्रभावित होकर भारतीय शास्त्रीय संगीत को करीब से समझने का अवसर पाया। उनके सवालों का उत्तर देते हुए पं. प्रसन्ना ने हर जानकारी को सरल और रोचक बना दिया, जिससे छात्रों में शास्त्रीय संगीत के प्रति न केवल रुचि बल्कि एक नई समझ भी विकसित हुई। इस आयोजन ने बच्चों को संगीत के प्रति एक गहरे जुड़ाव का अनुभव कराया और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को आत्मसात करने का एक अनमोल अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे सीनियर स्कूल प्रिंसिपल मंजुला सिंह ने प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने शास्त्रीय कलाकारों को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया, जिन्होंनें नई पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक विरासत समझाने की जिम्मेदारी उठाई है। स्कूल ने इस अ द्भुत आयोजन के लिए गाज़ियाबाद की सिटी कोऑर्डिनेटर आभा बंसल को भी धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका।

धूमधाम से मना वरिष्ठ पत्रकार शक्ति सिंह का जन्मदिन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। न्यूज 24 के रिपोर्टर एवं वरिष्ठ पत्रकार शक्ति सिंह का जन्मदिवस आरकेजीआईटी कॉलेज में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आरकेजीआईटी कॉलेज के चेयरमैन एवं विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल द्वारा शक्ति सिंह का केक कटवाकर शुभकामनाएं दीं एवं शक्ति सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद स्वरूप भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक मोंगा, जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल, दैनिक अथाह समाचार पत्र के संपादक अशोक ओझा, वरिष्ठ पत्रकार अनुज चौधरी, हिन्द आत्मा समाचार-पत्र के संपादक अशोक कौशिक, न्यूज नेशन के संवाददाता सोनू अरोड़ा, नेटवर्क 18 के संवाददाता रोहित सिंह आदि उपस्थित रहे।

नगर में भाजपा विधायक व पंजाबी मंच सहित कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

बीजेपी की इस तिरंगा यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने झाड़ा पल्ला

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। भाजपा विधायक मंजू शिवाच व नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का नगर में आयोजन किया गया।जिसमें शहर के सामाजिक संगठनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए भारत माता जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए। शुक्रवार को भाजपा द्वारा निकाली गई है यह तिरंगा यात्रा लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर के सामने से शुरू होकर रेलवे स्टेशन रुक्मणी मार्केट के सामने से बस अड्डा होती हुई राज चोपला पर जाकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान विधायक मंजू शिवाच ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा देश के जवानों को समर्पित है जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश का मान बढ़ाया है साथ ही आतंकवाद के जनक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया यह यात्रा पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के लिए एक श्रद्धांजलि है। यात्रा में डॉ. मंजू सिवाच विधायक सहित पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, पंजाबी मंच अध्यक्ष राजकुमार खुराना सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।